RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
जनवरी
16
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

By Ankit Avasthi Sir

यूजीसी ड्राफ्ट रेगुलेशन 2025 / UGC Draft Regulation 2025

संदर्भ:

हाल ही में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में शिक्षकों और शैक्षणिक स्टाफ की नियुक्ति और पदोन्नति के लिए न्यूनतम योग्यता और उच्च शिक्षा में मानकों को बनाए रखने के उपायों पर आधारित **UGC (न्यूनतम योग्यता) नियमन, 2025** का मसौदा जारी किया है।

यूजीसी ड्राफ्ट रेगुलेशन 2025:

कुलपति (VC) की नियुक्ति

- **चयन प्रक्रिया:**
  - **सर्च-कम-सेलेक्शन कमेटी** द्वारा चयन, जिसमें शामिल होंगे:
    - चांसलर/विजिटर के नामित व्यक्ति (अधिकांश राज्य विश्वविद्यालयों में राज्यपाल)।
    - यूजीसी चेयरपर्सन।
    - विश्वविद्यालय की सर्वोच्च संस्था (जैसे सीनेट या सिंडिकेट)।
- **पात्रता मानदंड:** शिक्षाविद, उद्योग, सार्वजनिक प्रशासन, या सार्वजनिक नीति से संबंधित पेशेवर पात्र होंगे।
- **कार्यकाल:** कुलपति का कार्यकाल 5 वर्ष होगा, पुनर्नियुक्ति की पात्रता होगी।

फैकल्टी की भर्ती और पदोन्नति:

- **"विशिष्ट योगदान" पर जोर:** शिक्षण नवाचार, प्रायोजित शोध, भारतीय भाषाओं में शिक्षण, और स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने जैसे 9 क्षेत्रों में योगदान को प्राथमिकता।
- **कैरियर एडवांसमेंट स्कीम (CAS):** स्कोर आधारित प्रणाली के बजाय गुणात्मक मूल्यांकन के आधार पर प्रमोशन।
- **भारतीय ज्ञान प्रणाली (IKS):** पारंपरिक ज्ञान और भारतीय भाषाओं में शोध और शिक्षण को प्रोत्साहन।

फैकल्टी भर्ती में लचीलापन

- **विभिन्न विषयों में पात्रता:** NET/SET के माध्यम से वे उम्मीदवार पात्र होंगे, जिन्होंने UG/PG से अलग विषयों में योग्यता प्राप्त की है।
- **पीएचडी प्राथमिकता:** पीएचडी विशेषज्ञता को अधिक महत्व।

अनुबंध शिक्षक (Contractual Teachers): 10% सीमा समाप्त, जिससे अधिक अनुबंध शिक्षकों की भर्ती की अनुमति।

समावेशन और प्रतिनिधित्व:

- **भर्ती में विविधता:** SC/ST/OBC/EWS और दिव्यांग व्यक्तियों की भागीदारी को बढ़ावा।

पारदर्शिता और सुशासन:

- **भर्ती प्रक्रियाएँ:** सार्वजनिक अधिसूचनाएँ और व्यवस्थित प्रक्रियाएँ सुनिश्चित करें।

प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस (PoP):

उद्योग पेशेवरों की भागीदारी: उच्च शिक्षण संस्थान (HEIs) कुल स्वीकृत पदों के 10% तक उद्योग विशेषज्ञों को शामिल कर सकते हैं।

शोध और उद्यमिता को बढ़ावा

- **फैकल्टी की अपेक्षाएँ:** शोध प्रयोगशालाओं, स्टार्टअप्स, और डिजिटल कंटेंट निर्माण (जैसे MOOCs) में योगदान देना।

अनुपालन और दंड:

- **अनुपालन न करने पर परिणाम:**
  - यूजीसी फंडिंग और योजनाओं से वंचित।
  - यूजीसी अधिनियम की धारा 2(f) और 12B के तहत मान्यता समाप्त।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) के बारे में

स्थापना:

- **1956 में स्थापित**: विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) को 1956 में **सांविधिक निकाय** के रूप में स्थापित किया गया।
- यह **"विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956"** के तहत गठित किया गया।

मुख्यालय:

- UGC का मुख्य कार्यालय **नई दिल्ली** में स्थित है।

UGC का उद्देश्य:

1. विश्वविद्यालय शिक्षा को बढ़ावा देना और समन्वय करना।
2. शिक्षण, परीक्षा और शोध के मानकों को निर्धारित करना और बनाए रखना।
3. शिक्षा के न्यूनतम मानकों पर विनियम बनाना।
4. कॉलेज और विश्वविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में विकास की निगरानी करना और अनुदान वितरित करना।
5. केंद्र और राज्य सरकारों को विश्वविद्यालय शिक्षा के सुधार के लिए आवश्यक उपायों पर सलाह देना।

कोंकण क्षेत्र के साडा / Sada of Konkan region

संदर्भ:

कोंकण क्षेत्र के अद्वितीय समतल शीर्ष वाले लेटराइटिक पठार, जिन्हें साडा कहा जाता है, हाल ही में जैव विविधता और पारिस्थितिकी से जुड़े अध्ययनों का विषय बने हैं।

साडा क्षेत्र के बारे में:

परिभाषा और निर्माण:

- **साडा**: यह पश्चिमी घाट के कोंकण क्षेत्र में स्थित सपाट शीर्ष वाले लेटराइटिक क्षेत्र हैं, जो **क्षरण** की प्रक्रिया से सदियों में बने हैं।
- **स्थानीय अर्थ**: "साडा " का मतलब है **बड़ी सपाट भूमि**।
- यह महाराष्ट्र के सतारा जिले के पठारों (जैसे कास पठार) के समान हैं।

विशेषताएँ:

- **सालभर बंजर स्थिति**:
  - साडा क्षेत्र अधिकांश वर्ष बंजर रहते हैं।
  - मानसून के दौरान ये क्षेत्र हरियाली और **स्थानीय पौधों की अद्वितीय प्रजातियों** से भर जाते हैं, जैसे **पिंडा कोंकानेंसिस**।
- **जैव विविधता**:
  - क्षेत्र में **459 पौधों की प्रजातियाँ** पाई गई हैं, जिनमें से 105 केवल कोंकण क्षेत्र के लिए विशेष हैं।

कृषि पद्धतियाँ:

- **मानसून खेती**:
  - मानसून में स्थानीय लोग साडा क्षेत्रों में छोटे खेतों पर चावल और बाजरा (जैसे **नाचनी** - **Eleusine coracana**) की खेती करते हैं।
  - **पारंपरिक तरीके**: रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के उपयोग से बचते हुए खेती की जाती है।

स्थायी जल स्रोत:

- **जल संरक्षण**:
  - साडा की छिद्रपूर्ण लेटराइट मिट्टी वर्षा जल को प्रभावी ढंग से संरक्षित करती है।
- **सालभर जल उपलब्धता**:
  - खुली सीढ़ीदार कुओं, खुदे हुए कुओं, झरनों, और **सतत प्रवाहित नदियों** के माध्यम से जल की आपूर्ति होती है।

कोंकण क्षेत्र के बारे में:

स्थान

- **स्थिति**: कोंकण क्षेत्र **पश्चिमी भारत** में **अरब सागर (पश्चिम)** और **पश्चिमी घाट (पूर्व)** के बीच स्थित है।
- **विस्तार**: यह लगभग **530 किमी (330 मील)** तक फैला है, **दमण गंगा नदी (मुंबई के उत्तर)** से **तेरेखोल नदी (महाराष्ट्र-गोवा सीमा)** तक।

भूगोल:

- **प्रमुख क्षेत्र:** इसमें **ठाणे, ग्रेटर मुंबई, रायगढ़**, और **रत्नागिरी** जैसे क्षेत्र शामिल हैं।
- **विशेषताएँ:** मौसमी नदियाँ, लेटराइटिक पठार, और खाड़ी व हेडलैंड्स का अदला-बदली वाला स्वरूप।

आर्थिक गतिविधियाँ:

1. **कृषि**: प्रमुख फसलें: **चावल, दालें, सब्जियाँ, फल**, और **नारियल**।
2. **अन्य गतिविधियाँ**:
   - मछली पालन।
   - नमक उत्पादन।
   - **लोहे और मैंगनीज का खनन**।

ऐतिहासिक महत्व:

- **मसालों के व्यापार के लिए प्रसिद्ध**: यूनानियों, मिस्रवासियों, और अरबों के साथ मसाला व्यापार के लिए प्रसिद्ध।
- **ऐतिहासिक स्थल**: **एलीफेंटा और कान्हेरी गुफा मंदिर** जैसे ऐतिहासिक स्थलों का केंद्र।

पारिस्थितिक महत्व: साडा (Sada):

जैव विविधता:

- साडा क्षेत्र समृद्ध पारिस्थितिकी तंत्र का समर्थन करता है, जिसमें शामिल हैं:
  - **पौधों की 459 प्रजातियाँ**, जिनमें से **105 प्रजातियाँ** कोंकण क्षेत्र के लिए स्थानिक (एंडेमिक) हैं।

वन्यजीव आवास

- यह क्षेत्र **संवेदनशील प्रजातियों** के लिए महत्वपूर्ण आवास प्रदान करता है:
  - **इंडियन फ्लैपशेल टर्टल (Lissemys punctata)**, जिसका IUCN स्थिति **संकटग्रस्त (Vulnerable)** है।
  - इसके अतिरिक्त, यहाँ **तेंदुए, सियार, लकड़बग्घा, भौंकने वाले हिरण**, और **प्रवासी पक्षियों** का वास है।

सांस्कृतिक महत्व

- क्षेत्र के जल निकाय स्थानीय धार्मिक अनुष्ठानों का हिस्सा हैं।

मकरविलक्कु उत्सव / Makaravilakku festival

संदर्भ:

मकरविलक्कु केरल का सात दिवसीय वार्षिक उत्सव है, जो मकर संक्रांति के दिन सबरीमाला मंदिर में आयोजित किया जाता है। इस दिन भगवान श्रीराम और शबरी की भेंट की वर्षगांठ मनाई जाती है।

मकरविलक्कु उत्सव के बारे में:

- **परिचय:**
  - मकरविलक्कु एक वार्षिक उत्सव है, जो केरल के सबरीमाला मंदिर में भगवान अय्यप्पा को समर्पित है।
  - यह 41 दिनों की कठिन तीर्थयात्रा (जो मध्य नवंबर से शुरू होकर मकर संक्रांति पर समाप्त होती है) का समापन है, जो भगवान अय्यप्पा के सम्मान में मनाई जाती है।
  - इस दिन भगवान अय्यप्पा के दिव्य प्रकाश के रूप में प्रकट होने की मान्यता है, जो समृद्धि और खुशी का प्रतीक है।

मकरविलक्कु उत्सव के प्रमुख अनुष्ठान

1. 41-दिवसीय व्रतम (तप और अनुशासन):

- **व्रत की अवधि:** भक्तों को मकरविलक्कु उत्सव में भाग लेने के लिए 41 दिनों का व्रत करना पड़ता है।
- **आचरण के नियम:**
  - ब्रह्मचर्य का पालन।
  - उपवास करना।
  - काले या भगवा वस्त्र पहनना।
- **महत्व:** यह व्रत आत्म-शुद्धि, अनुशासन और भगवान अय्यप्पा के प्रति भक्ति का प्रतीक है।

2. मकर ज्योति (दिव्य प्रकाश का दर्शन):

- **आकर्षण का केंद्र:**
  - मकर ज्योति, भगवान अय्यप्पा की दिव्य उपस्थिति मानी जाती है।
  - यह प्रकाश मंदिर के पास एक विशिष्ट स्थान पर मकरविलक्कु के दिन शाम को प्रकट होता है।
- **आध्यात्मिक महत्व:** यह दर्शन भक्तों के लिए सौभाग्य और आशीर्वाद का प्रतीक है।

3. तिरुवाभरणम जुलूस (शाही आभूषण का जुलूस):

- **जुलूस की यात्रा:**
  - भगवान अय्यप्पा के पवित्र तिरुवाभरणम (शाही आभूषण) को पांडलम महल से सबरीमाला मंदिर तक भव्य जुलूस के रूप में ले जाया जाता है।
- **उत्सव का माहौल:**
  - भजन, संगीत और भक्तों की उपस्थिति इस जुलूस को भक्तिमय और उल्लासपूर्ण बनाते हैं।

सबरीमाला मंदिर:

- **समर्पित देवता:** सबरीमाला श्री अय्यप्पन मंदिर भगवान अय्यप्पन (धर्म शास्ता) को समर्पित है।
- **पौराणिक मान्यता:**
  - हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान अय्यप्पा भगवान शिव और भगवान विष्णु (मोहन रूप में) के पुत्र हैं।
- **तीर्थ स्थल:** यह दुनिया के सबसे बड़े वार्षिक तीर्थ स्थलों में से एक है, जहाँ हर वर्ष लगभग 10 से 15 मिलियन भक्त आते हैं।

महिला प्रवेश परंपरा और कानूनी विवाद:

- **परंपरा:** मंदिर में 10 से 50 वर्ष की आयु वर्ग की महिलाओं का प्रवेश वर्जित था।
- **न्यायिक निर्णय:**
  - 2018 में, भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने इस प्रतिबंध को असंवैधानिक घोषित कर दिया।
  - इस निर्णय ने महिला अधिकारों और धार्मिक परंपराओं के बीच बहस को जन्म दिया।

मामले का घटनाक्रम:

1. **2006: याचिका:** इंडियन यंग लॉयर्स एसोसिएशन ने सर्वोच्च न्यायालय में जनहित याचिका (PIL) दायर कर इस प्रथा को चुनौती दी।
2. **2008:** मामला तीन-न्यायाधीशों की पीठ को सौंपा गया।
3. **2017:** सर्वोच्च न्यायालय ने इसे संविधान पीठ को भेजने का संकेत दिया।
   - **निर्णय का आदेश:** मामले पर निर्णय के लिए पांच-न्यायाधीशों की संविधान पीठ का गठन।
4. **2018: निर्णय:** 4:1 के बहुमत से अदालत ने महिलाओं के प्रवेश पर प्रतिबंध को असंवैधानिक घोषित किया।

राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड / National Turmeric Board

संदर्भ:

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने नई दिल्ली में राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड का उद्घाटन किया। यह बोर्ड हल्दी किसानों के कल्याण, उच्च गुणवत्ता वाली किस्मों के विकास और निर्यात को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्थापित किया गया है।

राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड / Turmeric Board of India:

मुख्य उद्देश्य:

- भारत में हल्दी उत्पादन, विपणन, और निर्यात को बढ़ावा देना।

मुख्यालय:

- **स्थान:** निजामाबाद, तेलंगाना।

पहले अध्यक्ष:

- पल्ले गंगा रेड्डी को पहले अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया।

बोर्ड सदस्य:

- प्रतिनिधि:
  - आयुष मंत्रालय
  - फार्मास्यूटिकल्स विभाग
  - कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय
  - वाणिज्य मंत्रालय
- महाराष्ट्र, तेलंगाना, और मेघालय से भी प्रतिनिधि शामिल होंगे।

उद्देश्य:

- अगले पांच वर्षों में हल्दी उत्पादन को दोगुना कर 2 मिलियन टन तक पहुंचाना।

बोर्ड की प्राथमिकताएं:

- हल्दी किसानों के कल्याण पर ध्यान केंद्रित करना।
- हल्दी उत्पादन और निर्यात की गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों को सुनिश्चित करना।
- नए हल्दी उत्पादों के अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देना।
- हल्दी उत्पादों के लिए नए अंतरराष्ट्रीय बाजारों में व्यापार बढ़ाना।
- भंडारण और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन के लिए प्रभावी उपाय लागू करना।

हल्दी बोर्ड के लाभ:

- हल्दी उत्पादकों की आय में वृद्धि।
- भारत के हल्दी निर्यात को वैश्विक पहचान।
- किसानों और निर्यातकों के लिए नए व्यापारिक अवसर।
- भारत की अर्थव्यवस्था में मसालों के योगदान को बढ़ावा।

हल्दी (Turmeric):

- **वैज्ञानिक नाम:** Curcuma longa
- **परिवार:** Zingiberaceae
- **उपयोग:** स्वास्थ्य, सौंदर्य, और पाक-कला।

हल्दी के अद्भुत लाभ:

- **सूजनरोधी:** सूजन को कम करने में मदद करता है।
- **एंटीऑक्सीडेंट:** शरीर को फ्री रेडिकल्स से बचाता है।
- **एंटीसेप्टिक:** घावों को भरने में मदद करता है।
- **पाचन सुधारक:** अपच को कम करने में सहायक।
- **प्रतिरोधक क्षमता:** इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है।

हल्दी की खेती और उत्पादन:

- **खेती का क्षेत्रफल:** 3.05 लाख हेक्टेयर।
- **उत्पादन:** लगभग 10.74 लाख टन।

वैश्विक योगदान: भारत वैश्विक हल्दी उत्पादन में **70% से अधिक** का योगदान करता है।

प्रकार और विविधता:

- देश में हल्दी की **30 विशिष्ट किस्में** पाई जाती हैं।
- प्रत्येक किस्म के अपने अनूठे गुण और उपयोग हैं।

कृषि में महत्व: हल्दी उत्पादन भारत के कृषि परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है।

हल्दी क्षेत्र के लिए भविष्य की दिशा:

1. **राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड की भूमिका**:
   - हल्दी क्षेत्र के समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए काम करेगा।
   - सरकारी विभागों और एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित कर प्रयासों को सुव्यवस्थित करेगा।
2. **मुख्य पहलें**:
   - **व्यापार अवसरों में वृद्धि**: हल्दी के घरेलू और अंतरराष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देना।
   - **स्वास्थ्य लाभ का प्रचार**: हल्दी से जुड़े स्वास्थ्य लाभों को उजागर करना और जागरूकता बढ़ाना।

77वां भारतीय सेना दिवस / 77th Indian Army Day

संदर्भ:

15 जनवरी 2025 को 77वां भारतीय सेना दिवस मनाया जा रहा है, जो भारतीय सेना की वीरता और समर्पण को सम्मानित करने का दिन है।

भारतीय सेना दिवस 2025:

तिथि और महत्व:

- भारतीय सेना दिवस **15 जनवरी** को मनाया जाता है।
- **थीम: "समर्थ भारत, सक्षम सेना" (Empowered India, Capable Army)**।
    - यह थीम **एक सशक्त भारत और एक सक्षम भारतीय सेना** के संकल्प को दर्शाती है।
    - यह भारतीय सेना की ताकत, आत्मनिर्भरता और देश की सुरक्षा में योगदान को उजागर करती है।
- यह उस दिन को चिह्नित करता है जब **फील्ड मार्शल के. एम. करिअप्पा** ने **1949** में भारतीय सेना के पहले भारतीय कमांडर-इन-चीफ के रूप में पदभार संभाला।
- उन्होंने यह जिम्मेदारी ब्रिटिश जनरल **सर फ्रांसिस बुचर** से ग्रहण की।

प्रमुख प्रतीकात्मकता:

- यह दिन **भारत की सैन्य स्वतंत्रता** और स्वतंत्रता के बाद सेना के नेतृत्व में भारतीयों को सौंपी गई जिम्मेदारी का प्रतीक है।
- यह भारतीय सेना के गौरव और समर्पण को सलाम करने का अवसर है।

भारतीय सेना दिवस का इतिहास:

1. **शुरुआत (Origin):**
    - भारतीय सेना दिवस की शुरुआत **15 जनवरी 1949** से हुई, जब भारत ने सैन्य नेतृत्व में महत्वपूर्ण परिवर्तन देखा।
2. **ब्रिटिश कमान का अंत (End of British Command):**
    - **फील्ड मार्शल के. एम. करिअप्पा** ने **जनरल फ्रांसिस बुचर** की जगह लेते हुए भारतीय सेना के पहले भारतीय कमांडर-इन-चीफ का पदभार संभाला।
    - यह भारत की **सैन्य स्वतंत्रता** का प्रतीक है।
3. **विभाजन के बाद की चुनौतियाँ (Post-Partition Challenges):**
    - 1947 में विभाजन के बाद, भारतीय सेना ने साम्प्रदायिक तनाव के बीच शांति बनाए रखने और स्वतंत्र भारत की सीमाओं की रक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
4. **राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक (Symbol of National Pride):**
    - **15 जनवरी** भारतीय सेना के एक **आत्मनिर्भर और पेशेवर बल** के रूप में विकास का प्रतीक है।

भारतीय सेना दिवस का महत्व:

1. **नेतृत्व परिवर्तन का सम्मान (Honoring Leadership Transition):** यह दिन भारतीय सेना के सैन्य नेतृत्व के भारतीयकरण के ऐतिहासिक क्षण को चिह्नित करता है।
2. **वीरता और बलिदान का उत्सव (Celebrating Valor and Sacrifice):** उन सैनिकों की बहादुरी को सलाम करता है जो देश की संप्रभुता की रक्षा करते हैं।
3. **राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा (Promoting National Unity):** भारतीय सेना **एकता में विविधता** का प्रतीक है, क्योंकि इसके जवान देश के सभी क्षेत्रों से आते हैं।
4. **उत्कृष्टता का सम्मान (Recognizing Excellence):** इस दिन **शौर्य पुरस्कार** और **यूनिट प्रशस्ति पत्र** जैसे सम्मानों से सैनिकों और रेजीमेंट्स को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया जाता है।
5. **सैन्य शक्ति का प्रदर्शन (Showcasing Military Strength):** सेना दिवस की परेड में भारत की रक्षा क्षमताओं, आधुनिक हथियारों और सैन्य प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया जाता है।

भारतीय सेना दिवस परेड 2025:

परेड की प्रमुख विशेषताएँ:

- **सुसंगत मार्च और तालबद्ध ड्रिल्स**: सेना के अनुशासन और ताकत का प्रदर्शन।
- **आधुनिक हथियारों और सैन्य उपकरणों का प्रदर्शन**: उन्नत टैंकों, हथियारों, और रक्षा प्रणालियों का सार्वजनिक प्रदर्शन।
- **विभिन्न रेजिमेंट्स की भागीदारी**: भारत की विविधता को दर्शाने वाले विभिन्न रेजिमेंट्स परेड में हिस्सा लेते हैं।

2025 परेड का स्थान:

- इस वर्ष परेड का आयोजन **पुणे (महाराष्ट्र)** में किया जा रहा है।
- **2024 में**, यह पहली बार **लखनऊ** में आयोजित हुआ था, जो पारंपरिक स्थल **दिल्ली कैंटोनमेंट** से हटकर एक नई शुरुआत थी।

इजराइल-हमास युद्धविराम समझौता / Israel-Hamas Ceasefire Deal

संदर्भ:

14 जनवरी 2025 को गाजा पट्टी में चल रहे संघर्ष को लेकर नई प्रगति हुई, जब हमास ने युद्धविराम के मसौदे पर अपनी सहमति व्यक्त की। हालांकि, अंतिम विवरणों पर अभी भी बातचीत जारी है।

समझौते की मुख्य बातें:

तीन-चरणीय ढांचा:

यह समझौता अमेरिकी राष्ट्रपति **जो बाइडन** द्वारा प्रस्तावित और **संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद** द्वारा स्वीकृत ढांचे पर आधारित है।

पहला चरण

1. **बंधकों की रिहाई**:
    - **33 बंधकों** को छह सप्ताह की अवधि में क्रमिक रूप से रिहा किया जाएगा।
    - इसके बदले में, **इजरायल द्वारा गिरफ्तार फिलिस्तीनी महिलाएँ और बच्चे** छोड़े जाएंगे।
2. **इजरायली सेना का पीछे हटना**:
    - यह चरण **42 दिनों** का होगा, जिसमें **इजरायली सेना जनसंख्या केंद्रों** से हटेगी।

दूसरा चरण

1. **शेष बंधकों की रिहाई**:
    - **हमास** शेष जीवित बंधकों, मुख्य रूप से पुरुष सैनिकों, को रिहा करेगा।
    - इसके बदले में, अधिक **फिलिस्तीनी कैदियों** की रिहाई और **गाजा से इजरायली सेना की पूर्ण वापसी** होगी।

तीसरा चरण

1. **बंधकों के शवों की वापसी**:
    - शेष बंधकों के शव वापस किए जाएंगे।
    - इसके बदले में, गाजा में **तीन से पाँच वर्ष का पुनर्निर्माण योजना** लागू की जाएगी।
    - यह पुनर्निर्माण अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षण के तहत होगा।

गाजा का भविष्य शासन:

गाजा के शासन का मुद्दा जटिलता के कारण अब तक अनसुलझा है:

मुख्य बिंदु

1. **इज़राइल का रुख:**
    - **हमास** को भविष्य में शासन में किसी भी भूमिका से बाहर रखा गया है।
    - इज़राइल ने **फिलिस्तीनी प्राधिकरण (PA)** की भागीदारी का भी विरोध किया है।
3. **फिलिस्तीनी प्राधिकरण की भूमिका:**
    - इसे तीन दशक पहले **ओस्लो अंतरिम शांति समझौतों** के तहत स्थापित किया गया था।
    - वर्तमान में यह **वेस्ट बैंक** के क जे वाले क्षेत्र में सीमित स्वायत्तता का प्रयोग करता है।
4. **अंतर्राष्ट्रीय दृष्टिकोण:**
    - वैश्विक समुदाय का मानना है कि गाजा का शासन **फिलिस्तीनियों** द्वारा किया जाना चाहिए।
    - नागरिक समाज समूहों या कबीलाई नेताओं के माध्यम से वैकल्पिक समाधान खोजने के प्रयास **असफल** रहे हैं।

संघर्ष विराम के कार्यान्वयन में चुनौतियां

हमास की शर्तें:

- **इज़राइली सेना की पूरी तरह वापसी** और युद्ध समाप्ति के बाद ही शेष बंधकों को रिहा करने पर हमास अड़ा हुआ है।

पिछले संघर्ष विराम में आने वाली समस्याएं:

- मानवीय सहायता के लिए अस्थायी संघर्ष विराम होते रहे हैं, लेकिन वे सफल नहीं हो पाए, मुख्यत::
    - हमास द्वारा गाजा से इज़राइल की पूर्ण वापसी की मांग, जिसे इज़राइल ने हमेशा खारिज किया।
    - शांति के लिए हमास के विनाश की इज़राइल की शर्त।

इज़राइली आंतरिक राजनीतिक विरोध:

- **दक्षिणपंथी इज़राइली मंत्री** इस समझौते को हमास के सामने आत्मसमर्पण मानते हैं और इसके विरोध में सरकार छोड़ने की धमकी दे चुके हैं।
- प्रधानमंत्री **नेतन्याहू** के लिए युद्ध कैबिनेट में समरसता बनाए रखना चुनौतीपूर्ण है, जिसमें **लिकुड पार्टी**, दक्षिणपंथी **यहूदी राष्ट्रीय मोर्चा**, और **अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स यहूदी नेता** शामिल हैं।

नेतन्याहू की राजनीतिक स्थिति:

- युद्ध और इसके प्रभाव ने अस्थायी रूप से नेतन्याहू के राजनीतिक करियर को मजबूत किया है, भले ही पहले इज़राइलियों में उनके प्रति असंतोष था।
- हमास के साथ कोई भी समझौता उनकी कमजोर **गठबंधन सरकार** को और अधिक दबाव में डाल सकता है।

पीएम-सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना / PM-Surya Ghar: Muft Bijli Yojana

संदर्भ:

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (MNRE) ने हाल ही में 'पीएम-सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना' के विभिन्न घटकों के कार्यान्वयन के लिए संचालन दिशानिर्देश जारी किए हैं।

पीएम-सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना

परिचय:

- इस योजना का उद्देश्य आवासीय क्षेत्रों में **रूफटॉप सोलर पावर** के उपयोग को बढ़ावा देना है।
- इसे **नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (MNRE)** द्वारा शुरू किया गया है।

मुख्य विशेषताएं:

1. **सब्सिडी और वित्तीय सहायता:**
   - रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन की अग्रिम लागत को कम करने के लिए **40% तक सब्सिडी** प्रदान की जाती है।
2. **भुगतान सुरक्षा तंत्र:**
   - वेंडरों और इंस्टॉलर्स को समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के लिए **डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर)** का उपयोग।
   - निजी क्षेत्र की अधिक भागीदारी को प्रोत्साहित करना।
3. **क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण:**
   - नई दक्षताओं के प्रशिक्षण और उन्नयन कार्यक्रमों के माध्यम से **3 लाख कुशल श्रमिकों** को तैयार करने का लक्ष्य।
4. **आवेदन में सरलता:**
   - **'नेशनल पोर्टल फॉर रूफटॉप सोलर'** आवेदन प्रक्रिया को सरल और सुगम बनाता है।
5. **मॉडल सोलर गाँव:**
   - हर जिले में एक **सोलर पावर्ड गाँव** स्थापित करने का लक्ष्य, जिससे **ऊर्जा आत्मनिर्भरता** और सोलर अपनाने को बढ़ावा मिले।
   - इसके लिए ₹800 करोड़ का आवंटन, प्रत्येक गाँव के लिए **₹1 करोड़**।

यह योजना नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने के साथ-साथ **ऊर्जा साक्षरता** और **आर्थिक विकास** को प्रोत्साहित करती है।

PM सूर्य घर योजना के हालिया दिशानिर्देशों के मुख्य घटक

1. **भुगतान सुरक्षा तंत्र (PSM):**
   - **₹100 करोड़ का कोष** स्थापित किया गया है ताकि **नवीकरणीय ऊर्जा सेवा कंपनी (RESCO)**-आधारित **ग्रिड से जुड़े रूफटॉप सौर मॉडल** में निवेश को जोखिममुक्त किया जा सके, जो आवासीय क्षेत्र में लागू होगा।
   - इस कोष को मंत्रालय से मंजूरी प्राप्त अन्य अनुदान, फंड और स्रोतों से बढ़ाया जा सकता है।
2. **क्रियान्वयन मॉडल:**
   - **RESCO मॉडल:**
     - इस मॉडल में **तृतीय-पक्ष संस्थाएं** रूफटॉप सौर प्रणालियों में निवेश करती हैं।
     - उपभोक्ताओं को केवल उसी बिजली का भुगतान करना होता है जो वे उपयोग करते हैं, और उन्हें स्थापित करने के लिए प्रारंभिक लागत नहीं उठानी होती है।
   - **यूटिलिटी-लीड एग्रीगेशन (ULA) मॉडल:**
     - इस मॉडल में **DISCOMs** (वितरण कंपनियां) या राज्य-निर्धारित संस्थाएं **रूफटॉप सौर प्रणालियों** को व्यक्तिगत आवासीय घरों की ओर से स्थापित करेंगी।
3. **केंद्रीय वित्तीय सहायता (CFA):**
   - इस पहल का उद्देश्य **1 करोड़ आवासीय उपभोक्ताओं** को **रूफटॉप सौर प्रणालियों** की स्थापना में सहायता प्रदान करना है, ताकि नवीकरणीय ऊर्जा अधिक सुलभ और किफायती हो सके।

यह दिशानिर्देश रूफटॉप सौर ऊर्जा को अपनाने में वित्तीय बाधाओं को कम करने और स्वच्छ ऊर्जा की ओर संक्रमण को सुगम बनाने के लिए तैयार किए गए हैं।

"GET READY FOR A WILD RIDE OF KNOWLEDGE !"

SUBSCRIBE OUR NEW YOUTUBE CHANNEL

ANKIT AVASTHI

Video will be upload soon !

RRB NTPC
TEST SERIES
100+ Mock Test
78 Sectional Test
40+ years PYPs
60+ Current affairs
TEST
Only
99
Per
Year
Buy Now

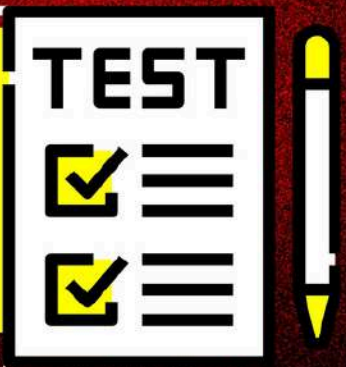

GA FOUNDATION

Hand Written Notes

Apni Pathshala
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर

Ankit Inspires India

₹ Only 1999

4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

APNI PATHSHALA

UPPSC,RO/ARO,BPSC,UP TEST SERIES

UPPSC
(TEST SERIES)
- 35+ MOCK TESTS
- 40+ PYQ'S
- 180+ TOPIC WISE TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299/- YEAR

RO/ARO
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299/- YEAR

BPSC
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299 YEAR

SSC (TEST SERIES)
- 30 MOCK TESTS
- 28+ YEAR PYP
- 12 SECTIONAL TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

RPF (TEST SERIES)
- 40 MOCK TESTS
- 2 YEAR PYQ'S
- 4 SECTIONAL TEST
- 10 PRACTICE TEST
- 60 CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

Download | Application

Apni Pathshala

7878158882

Apni.Pathshala Avasthiankit

AnkitAvasthiSir kaankit

ANKIT AVASTHI SIR

NCERT COMPLETE

FOUNDATION BATCH

FOR ALL

- POLITY
- ECONOMICS
- HISTORY
- GEOGRAPHY

- DAILY LIVE CLASSES
- , WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTISE PROBLEM

Rs 4999/-

Apni Pathshala 7878158882 Apni.Pathshala kaankit AnkitAvasthiSir Avasthiankit

ONLY
POLITY
1499
RS
DAILY LIVE CLASSES
, WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTISE PROBLEM
Apni Pathshala
7878158882
Apni.Pathshala
kaankit
AnkitAvasthiSir
Avasthiankit

SSC TEST SERIES

CGL, CHSL, MTS, CET, CPO, GD,

Stenographer (Grades C & D)

Only at

99/-Year

Enroll Now !